RADIO MADHUBAN

Dharmesh patel and Team Visited Shantivan from (Gujarat Vadodara)



धर्मेश पटेल एवं उनकी टीम का शांतिवन भ्रमण एवं ऐतिहासिक मुलाक़ात

वडोदरा, गुजरात के प्रख्यात खेल व्यक्तित्व और एक प्रतिष्ठित वेटलिफ्टर श्री धर्मेश पटेल अपनी टीम के साथ शांतिवन में पधारे। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य शांतिवन में होने वाली आध्यात्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों का अवलोकन करना तथा खेल-जगत से जुड़े हितकारी विषयों पर चर्चा करना था। इस दौरान उनकी माननीय आर जे रमेश जी और श्री यशवंत पाटिल जी के साथ एक विशेष और फलदायी मुलाक़ात हुई। यह मुलाक़ात केवल एक औपचारिक भेंट नहीं, बल्कि भारतीय खेलों, विशेष रूप से तीरंदाजी (आर्चरी) के भविष्य की दिशा तय करने वाली एक ऐतिहासिक चर्चा साबित हुई।

मुलाक़ात के केंद्र में थी "तीरंदाजी" की प्रगति

इस चर्चा का केंद्र बिंदु तीरंदाजी खेल था। धर्मेश पटेल, जो स्वयं एक सपोर्ट पर्सनैलिटी होने के साथ-साथ गुजरात में कई खेल आयोजनों का सफलतापूर्वक संचालन करते हैं, ने इस खेल के विकास और इसे बढ़ावा देने की संभावनाओं पर गहन विचार-विमर्श किया।





RADIO MADHUBAN

हमारे प्यारे कवि और समाज-सचेत रचनाकार सुरेश चन्द्र केसरवानी जी



प्रयागराज के प्रसिद्ध कवि सुरेश चन्द्र केसरवानी जी ने इस रेडियो वार्ता में जीवन के मूल्यों और आधुनिक जीवनशैली के बीच सामंजस्य पर अपने गहरे विचार साझा किए।

उनकी कविताएँ सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि आत्म-दर्पण हैं — जो हमें खुद से जोड़ती हैं और सोचने पर मजबूर करती हैं कि सच्ची प्रगति क्या है।

उन्होंने बताया कि जीवन की भागदौड़ में भी यदि हम संवेदनशीलता, नैतिकता और आत्म-चिंतन को बनाए रखें, तो शांति और संतोष दोनों हमारे साथ रह सकते हैं।

यह विचार हर उस व्यक्ति के लिए प्रेरणा है जो अपने भीतर की रोशनी को फिर से पहचानना चाहता है।





केसरवानी जी की कविताएँ और विचार पूरी तरह आज-के जीवन की चुनौतियों, रिश्तों, मूल्यों और आत्म-संवाद से जुड़े हुए हैं।

RADIO MADHUBAN

चर्चा के दौरान निम्नलिखित महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर विस्तार से विचार किया गया:

- विशेषज्ञ प्रशिक्षण एवं कार्यशालाएँ: तीरंदाजी में रुचि रखने वाले युवा और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए उच्च-स्तरीय प्रशिक्षण शिविर (Training Camps) और विशेषज्ञ सेमिनार (Expert Seminars) आयोजित करने की योजना पर विचार किया गया। इसका लक्ष्य न केवल खिलाड़ियों के कौशल को निखारना है, बल्कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर की तकनीकों और मनोविज्ञान से भी अवगत कराना है।
- बुनियादी ढाँचे का विकास: यह सुनिश्चित करना कि युवा तीरंदाजों को अभ्यास के लिए उच्च-गुणवत्ता वाले उपकरण और बेहतर मैदान मिल सके।
- राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर पहचान: गुजरात से तीरंदाजी को एक Systematic तरीके से विकसित करके राष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत पहचान दिलाना।

दिनेश पटेल: खेल जगत का एक सक्रिय स्तंभ

इस पूरी योजना की सफलता के लिए दिनेश पटेल का व्यक्तित्व एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

- वे दिनेश पटेल स्पोर्ट्स एकेडमी से जुड़े हुए हैं, जो युवा प्रतिभाओं को तराशने का एक प्रमुख केंद्र है।
- गुजरात में वे लगातार विभिन्न स्तर के खेल आयोजनों (Sports Events) का आयोजन करते रहते हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर खेल संस्कृति को बल मिलता है।
- एक वेटलिफ्टर के रूप में उनकी व्यक्तिगत उपलब्धियाँ और खेलों के प्रति समर्पण उन्हें युवाओं के लिए एक आदर्श प्रेरणा-स्रोत बनाती हैं। उन्हें खिलाड़ियों की चुनौतियों और जरूरतों की गहरी समझ है।

निष्कर्ष: एक नई शुरुआत की ओर

धर्मेश पटेल, आर जे रमेश जी और यशवंत पाटिल जी के बीच हुई यह मुलाक़ात गुजरात में तीरंदाजी जैसे ओलंपिक खेल के लिए एक नए युग का सूत्रपात करती है। यह एक सार्थक पहल है जिसमें एक अनुभवी खिलाड़ी का जज्बा, एक प्रशासक का दृष्टिकोण और एक आध्यात्मिक केंद्र का समर्थन शामिल है। इस सहयोग से न केवल तीरंदाजी के छात्रों को बेहतर प्रशिक्षण मिलेगा, बल्कि गुजरात से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के चैंपियन पैदा होने की संभावना भी कई गुना बढ़ गई है। यह भविष्य के खिलाड़ियों के लिए एक सुनहरे भविष्य की नींव रखने जैसा है।

RADIO MADHUBAN

ईटावा के महानुभावों ने किया रेडियो मधुबन का अवलोकन



Guests From Etawa & Mumbai at Radio Madhuban

मुंबई से श्री अनिल भाई, ईटावा से श्री सचिन भाई एवं श्री सुनील जी के नेतृत्व में एक सम्मानित टीम ने हाल ही में रेडियो मधुबन का विशेष अवलोकन किया।
अवलोकन के दौरान सभी अतिथियों ने रेडियो स्टेशन के संचालन, तकनीकी पहलुओं और इसके सामाजिक प्रभाव के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। टीम ने रेडियो मधुबन द्वारा समाज के लिए किए जा रहे सार्थक और शैक्षणिक कार्यों की सराहना की।
अंत में, सभी महानुभावों ने रेडियो मधुबन की पहल और इसके द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों से प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अपना आध्यात्मिक अनुभव भी रेडियो कार्यक्रम के दौरान सुनाया और शुभकामनाएं दीं।



RADIO MADHUBAN

बड़ीसौंफ की खेती के क्रांतिकारी: कचोली के ईशाक अली से रेडियो टीम की भेंट



बड़ीसौंफ संग्रहालय (गैलरी) और किसान शिक्षा का केंद्र
श्री अली ने अपने खेत पर ही एक छोटा सा संग्रहालय (गैलरी) बनाया है, जहाँ बड़ीसौंफ की विभिन्न किस्मों, उनकी खेती के तरीकों और लाभ के बारे में जानकारी प्रदर्शित की गई है। यह स्थान अब एक शैक्षिक केंद्र बन गया है, जहाँ वे अन्य किसानों को:

- बड़ीसौंफ की उन्नत खेती के बारे में बताते हैं।
- प्रशिक्षण देते हैं।
- कम दवा, कम लागत और अधिक मुनाफे वाली वैज्ञानिक खेती की तकनीक सिखाते हैं।

अनुसंधान और सहयोग की भावना
श्री ईशाक अली ने अपने शोध के जरिए बड़ीसौंफ की खेती को किसानों के लिए अधिक लाभकारी बनाया है। वह न केवल अन्य किसानों को ज्ञान बांटते हैं, बल्कि अपनी ही नर्सरी से उन्हें उन्नत किस्मों के पौधे भी उपलब्ध कराते हैं, ताकि सभी किसान इसका लाभ उठा सकें।
मुलाकात के अंत में, श्री ईशाक अली ने रेडियो मधुबन टीम को पुनः आमंत्रित किया ताकि भविष्य में और अधिक किसानों तक यह ज्ञान पहुँचाया जा सके। यह पहल किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।





RADIO MADHUBAN

RADIO MADHUBAN

बड़ीसौंफ की खेती के क्रांतिकारी: कचोली के ईशाक अली से रेडियो टीम की भेंट



सिरोही, राजस्थान के कचोली गाँव के प्रगतिशील किसान श्री ईशाक अली से रेडियो मधुबन की टीम - आरजे रमेश, श्री यशवंत पाटिल और श्री संदेश भाई - की एक विशेष मुलाकात हुई। श्री ईशाक अली बड़ीसौंफ (Fennel) की खेती के एक विशेषज्ञ के रूप में जाने जाते हैं।

बड़ीसौंफ की 150 किस्मों का ज्ञान और एक नई किस्म की उपलब्धि

इस चर्चा के दौरान ईशाक अली ने टीम को बड़ीसौंफ की लगभग 150 विभिन्न किस्मों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। सबसे रोमाचक बात यह रही कि उन्होंने 440 नंबर की एक नई किस्म विकसित की है, जो अधिक उपज और बेहतर गुणवत्ता वाली है।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए इसी महीने के अंत में दिल्ली में एक विशेष समारोह में उन्हें सम्मानित किया जाने वाला है। यह सम्मान उनके अथक परिश्रम और नवप्रवर्तन को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्रदान करता है।





Mohini Sastrabuddhe Visited Radio Madhuban



ज्योतिष विद्या को समर्पित एक अनूठा सत्र: मोहिनी सहस्त्रबुद्धे और रेडियो मधुबन का सहयोग

हाल ही में, मशहूर ज्योतिष विशेषज्ञ (एस्ट्रोलॉजिस्ट) श्रीमती मोहिनी सहस्त्रबुद्धे जी ने रेडियो मधुबन का अवलोकन किया। अवलोकन के पश्चात, उन्होंने रेडियो टीम के साथ संवाद किया और अपने बारे में बताया कि वह एक पेशेवर ज्योतिष विशेषज्ञ हैं।

एक रोचक प्रस्ताव के साथ उन्होंने रेडियो मधुबन से अनुरोध किया, "क्या आपके रेडियो पर मेरा कुछ रिकॉर्डिंग कर सकते हैं?" इस प्रस्ताव पर आर जे रमेश जी ने तत्परता से सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और उनके साथ एक ज्ञानवर्धक एवं रोचक वार्तालाप किया। इस सार्थक चर्चा का परिणाम तीन विशेष एपिसोड के रूप में सामने आया, जिनका रिकॉर्डिंग तत्काल ही किया गया।

इन तीनों एपिसोड्स में ज्योतिष विद्या के विभिन्न पहलुओं को बहुत ही सरल और रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया

निष्कर्ष:

मोहिनी सहस्त्रबुद्धे जी और आरजे रमेश जी के बीच हुआ यह सहयोग रेडियो मधुबन के लिए एक शैक्षणिक और नवीन पहल साबित हुआ। यह तीन-एपिसोड की श्रृंखला न केवल श्रोताओं के लिए ज्योतिष के क्षेत्र में ज्ञान का भंडार लेकर आई, बल्कि इसने एक विशेषज्ञ और उनके अनुयायियों के बीच के जीवंत संवाद को भी प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम रेडियो मधुबन के विविध और सार्थक प्रोग्रामिंग के दृष्टिकोण को और मजबूत करता है।

RADIO MADHUBAN

सेवा से समर्पण की ओर: सूबेदार केशवलाल जी की अद्भुत जीवन यात्रा



रेडियो मधुबन के कार्यक्रम में सूबेदार केशवलाल जी ने अपने जीवन की प्रेरणादायक कहानी साझा की, जो सेना की भूरि-भूरि सेवा से शुरू होकर ब्रह्माकुमारीज में दिव्य सेवा तक की एक सुंदर यात्रा है।

सेना का अनुभव: 'सर्व भवंतुन, सर्व निरामय' की भावना सूबेदार केशवलाल जी ने भारतीय सेना में अपनी सेवा के दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि सेना में वह मेडिसिन सप्लाई का कार्य देखते थे। यह एक ऐसा दायित्व था जहाँ उनकी जिम्मेदारी अपने साथी सैनिकों के स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करना था। उन्होंने इस कार्य को केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि एक "सर्व भवंतुन, सर्व निरामय" (सभी का कल्याण, सभी निरोग) की भावना से पूर्ण सेवा के रूप में किया। यही वह मूल मंत्र था जिसने उनके मन में परोपकार और सेवा के बीज बोए।

ब्रह्माकुमारीज से जुड़ाव: जीवन का नया मोड़ सेवा से रिटायरमेंट के बाद जीवन में एक नया मोड़ आया। इस दौरान उनका संपर्क ब्रह्माकुमारीज से हुआ। यहाँ आकर उन्होंने आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त किया और समझा कि सेवा का सबसे उच्चतम रूप केवल शारीरिक जरूरतों की पूर्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे कहीं आगे तक है।

आज सूबेदार केशवलाल जी का जीवन पूर्णतया समर्पण में लीन है। वह ब्रह्माकुमारीज के माध्यम से लोगों की आध्यात्मिक उन्नति के लिए कार्य कर रहे हैं। उनकी यह सेवा शारीरिक स्वास्थ्य से ऊपर उठकर मानसिक शांति और आत्मिक सुख प्रदान करने वाली है। वह लोगों को राजयोग के माध्यम से ईश्वर से जुड़ने, आंतरिक शक्ति पाने और जीवन की चुनौतियों में शांति बनाए रखने का मार्ग दिखा रहे हैं। एक सच्चे सेवक का प्रेरणास्रोत सूबेदार केशवलाल जी की कहानी एक सच्चे सेवक की कहानी है। उन्होंने राष्ट्र की सेवा से लेकर आत्माओं की सेवा तक का अद्भुत सफर तय किया है। उनका जीवन इस बात का जीवंत उदाहरण है कि "सेवा" कभी भी रिटायर नहीं होती, बल्कि उसका स्वरूप और विस्तार बदलता रहता है। उनकी यह यात्रा हर किसी को अपने जीवन में सेवा और समर्पण का भाव रखने की प्रेरणा देती है।

Interview articals www.radiomadhuban.in November

RADIO MADHUBAN

शिक्षा और संकल्प का संगम: रेडियो मधुबन टीम की पंचदेवल स्कूल यात्रा



इसके पश्चात, आरजे रमेश जी ने स्कूल के बच्चों के साथ सीधा संवाद स्थापित किया। इस रोचक और जीवंत सत्र में उन्होंने बच्चों को कई महत्वपूर्ण टिप्स दिए:

- मेमोरी पावर टिप्स एंड टेक्निक: उन्होंने याददाश्त तेज करने और पढ़ाई में बेहतर ध्यान केंद्रित करने के व्यावहारिक तरीके सिखाए।
- सपनों को साकार कैसे करें: आर जे रमेश जी ने बच्चों को प्रेरित करते हुए बताया कि कैसे अपने लक्ष्यों को स्पष्ट करें और उन्हें पाने के लिए निरंतर प्रयास करें।

एक प्रेरणादायक विजन: "मेरा पढ़ाने से मेरे साथ मेरे गाँव का विकास"

सबसे महत्वपूर्ण बात, आर जे रमेश जी ने बच्चों को एक सुंदर और समर्पित विजन (दृष्टिकोण) दिया। उन्होंने कहा, "मेरा पढ़ाने से मेरे साथ मेरे गाँव का विकास समाया हुआ है।"

इस वाक्य के माध्यम से उन्होंने बच्चों के मन में यह भावना बोई कि शिक्षा केवल व्यक्तिगत सफलता की चाबी ही नहीं, बल्कि अपने समुदाय और गाँव के उत्थान का सबसे बड़ा साधन भी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब वे शिक्षित होंगे तो उसका लाभ सीधे तौर पर उनके पूरे गाँव के विकास में होगा।

यह यात्रा केवल एक औपचारिक दौरा नहीं, बल्कि शिक्षा, खेल और समुदाय विकास को एक सूत्र में पिरोने का एक सफल प्रयास थी। रेडियो मधुबन टीम की यह पहल निश्चित रूप से पंचदेवल स्कूल के विद्यार्थियों के जीवन में नई ऊर्जा और दिशा का संचार करेगी।





RADIO MADHUBAN

शिक्षा और संकल्प का संगम: रेडियो मधुबन टीम की पंचदेवल स्कूल यात्रा



रेडियो मधुबन की एक विशेष टीम, जिसमें श्री यशवंत पाटिल, आरजे रमेश और श्री संदेश भाई शामिल थे, ने हाल ही में पंचदेवल सरकारी सीनियर सेकेंडरी हाई स्कूल का एक महत्वपूर्ण दौरा किया। इस यात्रा का उद्देश्य स्कूल के साथ शैक्षिक और सह-पाठ्यचर्या संबंधी सहयोग के नए आयाम तलाशना था।

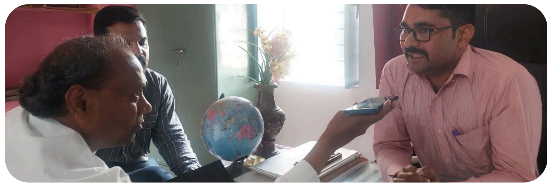
प्रधानाचार्य और शिक्षकों से सार्थक मुलाकात

टीम ने सबसे पहले स्कूल के प्रधानाचार्य श्री विजय जी से भेंट की। इस दौरान शिक्षक श्री हरीश जी और श्री गणेश जी से भी चर्चा हुई। वार्तालाप के दौरान रेडियो टीम ने एक रोमांचक प्रस्ताव रखा – स्कूल के बच्चों को तीरंदाजी (Archery) खेल के लिए प्रशिक्षण देना।

यह प्रस्ताव सुनकर प्रधानाचार्य श्री विजय जी ने अत्यंत खुशी व्यक्त की और तुरंत ही इस पहल में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि रेडियो मधुबन का यह कदम छात्रों के सर्वांगीण विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और वे इसके लिए पूरी तरह से समर्पित हैं।

विशेष रेडियो साक्षात्कार और विद्यार्थियों के साथ संवाद

इस सहमति के बाद, एक विशेष रेडियो साक्षात्कार रिकॉर्ड किया गया, जिसमें स्कूल की शैक्षिक गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा हुई।





Interview articals www.radiomadhuban.in November

RADIO MADHUBAN

मुंबई के बदलापुर से आए अतिथियों ने किया रेडियो मधुबन का अवलोकन



Mumbai Badlapur Guest Visited Radio Madhuban

मुंबई के बदलापुर इलाके से पधारे एक सम्मानित अतिथि दल ने हाल ही में रेडियो मधुबन के स्टूडियो का अवलोकन किया। अतिथियों ने स्टूडियो की आधुनिक सुविधाओं, तकनीकी संचालन और यहाँ से प्रसारित होने वाले विभिन्न शैक्षणिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

रेडियो मधुबन की कार्यप्रणाली और इसके द्वारा समाज हित में किए जा रहे निरंतर प्रयासों को देखकर सभी अतिथियों ने खुशी व्यक्त की। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि रेडियो मधुबन ज्ञान, अध्यात्म और सकारात्मक सूचनाओं का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है।

अंत में, अतिथियों ने रेडियो मधुबन की टीम को इस उत्कृष्ट सेवा-कार्य के लिए बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएँ व्यक्त कीं।



